हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में दिनांक 9 अक्टूबर, 2018 को 19वीं अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में **दिनांक 9 अक्टूबर, 2018** को **19वीं अनुसंधान सलाहकार समूह** की बैठक का आयोजन संस्थान के सभागार में किया गया, जिसमें निदेशक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की अनुसंशा पर महानिदेशक, भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा मनोनीत विभिन्न विषय-विशेषज्ञों जैसे हिमाचल प्रदेश वन विभाग के अधिकारी, अन्य शोध संस्थानों व विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, जम्मू व कश्मीर के प्रगतिशील किसान तथा गैर–सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । इसके अतिरिक्त महानिदेशक, भा०वा०एवंशि०प०, देहरादून के प्रतिनिधि **डॉ० विमल कोठियाल, सहायक महानिदेशक, अनुसंधान परियोजना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग** के माध्यम से बैठक के दौरान उपस्थित रहे । बैठक के प्रारम्भ में **डॉ० रणजीत सिंह, वैज्ञानिक-जी, समूह समन्वयक अनुसंधान** ने **अनुसंधान सलाहकार समूह** के सभी उपस्थित माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन किया । तत्पश्चात, **डॉ० वी०पी० तिवारी, निदेशक** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला व **अनुसंधान सलाहकार समूह** के **अध्यक्ष** ने सभी का स्वागत कर बैठक की महत्ता व आयोजित किए जाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए सदस्यों से अनुरोध किया कि वह बैठक के दौरान प्रस्तुत की जाने वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं उन्हें अधिक प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाने हेतु अपने सुझाव व टिप्पणी दें । उन्होने आशा व्यक्त की विषय-विशषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव एवं संशोधनों को प्रस्तावित शोध-परियोजनाओं में समाहित करने से उनकी व्यवहारिकता तथा उपयोगिता अवश्य ही बढ़ जाएगी । तदुपरान्त, डॉ० रणजीत सिंह ने संस्थान द्वारा अनुसंधान व विस्तार क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों, अन्य उपलब्धियों तथा नई परियोजनाओं के बारे में पावर पॉईंट प्रस्तुति के माध्यम से संक्षिप्त में व्याख्या की । उन्होंने बैठक के सदस्यों को बताया किया

कि इस वर्ष **अनुसंधान सलाहकार समूह** को पुर्नगठित किया गया है, जिसका कार्यकाल दो वर्षों तक रहेगा । उन्होंने सूचित किया कि इस वर्ष बैठक में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा **चार नए परियोजना प्रस्ताव** सदस्यों के समक्ष उनकी अनुसंशा हेतु प्रस्तुत किए जाने हैं जो कि बाद में **भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद, देहरादून** में आयोजित होने वाली **अनुसंधान नीति समिति** की बैठक में पारित / स्वीकृत किए जाने हेतु प्रस्तुत किए जाएंगे । इसके पश्चात बैठक में पधारे कुछ सदस्यों ने भी अपने-२ विचार व्यक्त किये ।

सत्र-I में डॉ० रणजीत कुमार, वैज्ञानिक-ई, वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग, डॉ० अश्वनी टपवाल, वैज्ञानिक-ई एवं श्री सुभाष चन्द्र, वैज्ञानिक-डी, वन बचाव प्रभाग व श्री पीताम्बर सिंह नेगी, वैज्ञानिक-सी, वनसंवर्धन व वन प्रबन्धन प्रभाग ने नई परियोजनाओं को विस्तार से पावर पॉईंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया ।

सत्र-II में संस्थान के अनुसंधान प्रभागों में कार्यरत वैज्ञानिकों ने संस्थान में चलाई जा रही विभिन्न प्लान परियोजनाओं के अन्तर्गत की गई प्रगति को प्रस्तुत करने के साथ ही एक प्लान परियोजना को कुछ बदलाव करने के लिए स्वीकृति व अनुसंशा हेतु भी प्रस्तुत किया, जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की ।

समापन सत्र में अध्यक्ष व अन्य सदस्यों ने अपने-2 विचार व्यक्त किये । सदस्यों ने बैठक को सुनियोजित ढ़ग से आयोजित करने के लिए संस्थान की सराहना करते हुए बधाई दी । **अन्त में डॉ० रणजीत सिंह, वैज्ञानिक-जी,** समूह समन्वयक अनुसंधान व उक्त बैठक के **सदस्य सचिव** ने **धन्यवाद प्रस्ताव** पारित किया ।

*****

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक की झलकियाँ

हि.व.अ.सं.
HFRI

Title of the Project :
Air pollution tolerance of woody vegetation and physico-chemical properties of soil along the highway from Shimla to Hamirpur
Principal Investigator: Dr. Ranjeet Kumar, Scientist-E
Division: Forest Ecology and Climate Change
Co Principal Investigator: Dr. Raj Kumar Verma, Scientist-G
Period: 3 Years
Cost of the Project: Rs. 10.38 Lakhs
Research theme of the project: Environment Management
Abstract
ICFRE-DEHRADUN
IP-H323

Studies on effect of AM inoculations on the active ingredient contents and biomass production in Angelica glauca Edgew. and Valeriana jatamansi Jones
Principal Investigator : Dr. Ashwani Tapwal, Scientist- E
Co- Principal Investigator : Dr. Sandeep Sharma, Scientist-G
Associates:
i. Mrs. Savita Banyal, ACTO
ii. Sh. Kuldesh Kumar, STA
Implementing Division : Forest Protection Division
Silviculture and Forest Management Division
Period of the project :5 years
Cost of project : ₹ 26.33 lakh
Thrust Area : Managing forests and forests products for livelihood support and economic growth
ICFRE-DEHRADUN
IP-H323

"Bionomics of Sal Borer, Hoplocerambyx spinicornis (Coleoptera: Cerambycidae) in Nahan Forest Division for Developing early-warning System"
PI: Subhash Chander, Scientist-D (Forest Protection Division)
Co-PI: Dr. Ranjeet Singh, Scientist- G &Head (Forest Protection Division)
Project : Associates:
Mrs. Savita Banyal- ACTO
Mr. Rajender Pal- TA
Period of project : 3 year (April 2019-March 2022)
Cast of Project: 17.57 lacks
Research Theme: Integrated pests and disease management
Abstract: The main prioritized area of current project is to
for livelihood support and economic growth
ICFRE-DEHRADUN
IP-H323

Pitle of Project:
Development of Seed Technology and Propagation Techniques of Betula utilis D. Don and Sorbus lanata (D. Don) Schauer.
Name of Principal Investigator: Sh. P. S. Negi, Scientist-C
Co-Principal Investigator : Dr. Sandeep Sharma, Scientist-G
Division/ Discipline : Silviculture & Forest Management
Project Period : 5Years (April, 2019- March, 2024)
Cost of Project : 32.18 Lakh
Thrust Area : Managing Forests and Forest Products for Livelihood Support and Economic Growth
Research Theme : Silviculture (A)
ICFRE-DEHRADUN
IP-H323

Project Title:
Identification, Ecological Assessments for Selection & Screening of Superior and Insect-Pest Resistant Clones of Salix for their Cultivation, Production Trends and Conservation in the Cold Deserts of Himachal Pradesh and Jammu & Kashmir
PIs, INVESTIGATORs: Dr. Rajesh Sharma (Coordinator)
Dr. Ranjeet Singh, Dr. Sandeep Sharma,
Dr. Ranjeet Kumar, Dr. Vaneet Jishtu,
Project Associates: Ms. Shilpa, Sh. Akhil Kumar, Sh. Sunil Waman Bhondge (ACTOs), Sh.Dushyant Kumar (TO)
Date of Start : April 2017
Date of Completion : March 2024
ICFRE-DEHRADUN HP
Budget : 54.88 Lakhs
IP-H323

ICFRE
ICFRE-DEHRADUN
11:02
IP-H323

CHAIRMAN
RAG
Dr. Vindhya Prasad Tewari

Dr. Sandeep Sharma
Scientist- G, HFRI
Repporteurs

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

मीडिया कवरेज

हिमालयन रेंज में वन बचाने पर मथन

शिमला में जुटे हिमाचल और जेएंडके के विशेषज्ञ

हिमाचल दस्तक
ब्यूरो। शिमला

हिमालयन रेंज में वनों को बचाने के लिए शिमला में हिमाचल और जेएंडके के वन विशेषज्ञों ने मंथन किया। मंगलवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में 19वीं अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक हुई। इसमें वनों को बचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में हिमाचल एवं जम्मू-कश्मीर वन विभाग, विभिन्न शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों, प्रगतिशील किसानों और गैर सरकारी संस्थानों के लगभग 20 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वानिकी क्षेत्र से संबंधित विविध अनुसंधान परियोजनाओं की कार्य-नीतियों एवं क्रियान्वयन की व्यवहारिकता का आंकलन करने के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में इस बैठक का आयोजन प्रतिवर्ष नियमित रूप से किया जा रहा है। बैठक की संस्तुतियों एंव अनुमोदित शोध प्रस्तावों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून को अंतिम अनुमोदन के लिए भेजा गया।

शिमला। डॉ. वीपी तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक।

इस बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने की। संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ. रणजीत सिंह ने अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक के गठन के उद्देश्यों तथा कार्ययोजना की बैठक की रूपरेखा का विवरण दिया। वीपी तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि वास्तव में यह बैठक संस्थान द्वारा चलाई जा रही शोध परियोजनाओं की समीक्षा और प्रस्तावित नई परियोजनाओं का गहन विवेचन करने का एक उपयुक्त माध्यम है। उन्होंने आशा व्यक्त की विषय विशषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव एवं संशोधनों को प्रस्तावित शोध परियोजनाओं में समाहित करने से उनकी व्यवहारिकता और उपयोगिता अवश्य बढ़ेगी।

वन अनुसंधान संस्थान में समीक्षा बैठक

शिमला – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में मंगलवार को 19वीं अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश वन एवं जम्मू व कश्मीर वन विभाग, विभिन्न शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों, प्रगतिशील किसानों तथा गैरसरकारी संस्थानों के लगभग 20 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा. वीपी तिवारी ने की। आरंभ में संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान, डा. रणजीत सिंह, वैज्ञानी ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक के गठन के उद्देश्यों तथा कार्ययोजना की रूपरेखा का संक्षिप्त विवरण दिया।

सलाहकार समूह की बैठक संपन्न

शिमला, 9 अक्तूबर (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में 19वीं अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक हुई। इसमें हिमाचल वन एवं जम्मू-कश्मीर वन विभाग, विभिन्न शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों, प्रगतिशील किसानों तथा गैर-सरकारी संस्थानों के लगभग 20 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक की संस्तुतियों एवं अनुमोदित शोध प्रस्तावों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून को अन्तिम अनुमोदन के लिए भेजा जाता है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने कहा कि अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक के गठन के उद्देश्यों तथा कार्ययोजना की बैठक की रूपरेखा का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

*****